VENUS WORLD SCHOOLS

Academic Session - 2021 -2022

(SA 1)

कक्षा- नौवीं   समय- 1 घंटा 30 मिनट

विषय- हिंदी   अंक- 40

*सामान्य निर्देश:-

1. **सभी प्रश्न अनिवार्य है।**
2. **सभी प्रश्नों का क्रमानुसार उत्तर लिखिए।**
3. **इस प्रश्न पत्र में 2 खंड है :- अ और ब।**

खंड- अ

(अपठित गद्यांश)

प्रश्न संख्या (1) निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर प्रश्नों के उत्तरों के सही विकल्प चुनें-।   अंक 5 (1*5)

1. संसार में शांति, व्यवस्था और सद्भावना के प्रसार के लिए बुद्ध, ईसा मसीह, मुहम्मद चैतन्य, नानक आदि महापुरुषों ने धर्म के माध्यम से मनुष्य को परम कल्याण के पथ का निर्देश किया, किंतु बाद में यही धर्म मनुष्य के हाथ में एक अस्त्र बन गया। धर्म के नाम पर पृथ्वी पर जितना रक्तपात हुआ उतना और किसी कारण से नहीं। पर धीरे-धीरे मनुष्य अपनी शुभ बुधि से धर्म के कारण होने वाले अनर्थ को समझने लग गया है। भौगोलिक सीमा और धार्मिक विश्वासजनित भेदभाव अब धरती से मिटते जा रहे हैं। विज्ञान की प्रगति तथा संचार के साधनों में वृद्धि के कारण देशों की दूरियाँ कम हो गई हैं। इसके कारण मानव-मानव में घृणा, ईर्ष्या वैमनस्य कटुता में कमी नहीं आई। मानवीय मूल्यों के महत्त्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने का एकमात्र साधन है।

प्रश्न

(क) मनुष्य अधर्म के कारण होने वाले अनर्थ को कैसे समझने लगा है

(i) संतों के अनुभव से

(ii) वर्ण भेद से

(iii) घृणा, ईर्ष्या, वैमनस्य, कटुता से

(iv) अपनी शुभ बुधि से

(ख) विज्ञान की प्रगति और संचार के साधनों की वृद्धि का परिणाम क्या हुआ है|

(i) देशों में भिन्नता बढ़ी है।

(ii) देशों में वैमनस्यता बढ़ी है।

(iii) देशों की दूरियाँ कम हुई है।

(iv) देशों में विदेशी व्यापार बढ़ा है।

ग) देश में आज भी कौन-सी समस्या है

(i) नफ़रत की

(ii) वर्ण-भेद की

(iii) सांप्रदायिकता की

(iv) अमीरी-गरीबी की

(घ) किस कारण से देश में मानव के बीच, घृणा, ईर्ष्या, वैमनस्यता एवं कटुता में कमी नहीं आई है?

(i) नफ़रत से

(ii) सांप्रदायिकता से

(iii) अमीरी गरीबी के कारण

(iv) वर्ण-भेद के कारण

(ङ) मानवीय मूल्यों के महत्त्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने का एकमात्र साधन है

(i) शिक्षा का व्यापक प्रसार

(ii) धर्म का व्यापक प्रसार

(ii) प्रेम और सद्भावना का व्यापक प्रसार

(iv) उपर्युक्त सभी

अथवा

संघर्ष के मार्ग में अकेला ही चलना पड़ता है। कोई बाहरी शक्ति आपकी सहायता नहीं करती है। परिश्रम, दृढ़ इच्छा शक्ति व लगन आदि मानवीय गुण व्यक्ति को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। दो महत्त्वपूर्ण तथ्य स्मरणीय है - प्रत्येक समस्या अपने साथ संघर्ष लेकर आती है। प्रत्येक

संघर्ष के गर्भ में विजय निहित रहती है। एक अध्यापक छोड़ने वाले अपने छात्रों को यह संदेश दिया था - तुम्हें जीवन में सफल होने के लिए समस्याओं से संघर्ष करने को अभ्यास करना होगा। हम कोई भी कार्य करें, सर्वोच्च शिखर पर पहुँचने का संकल्प लेकर चलें। सफलता हमें कभी निराश नहीं करेगी। समस्त ग्रंथों और महापुरुषों के अनुभवों को निष्कर्ष यह है कि संघर्ष से डरना अथवा उससे विमुख होना अहितकर है, मानव धर्म के प्रतिकूल है और अपने विकास को अनावश्यक रूप से बाधित करना है। आप जागिए, उठिए दृढ़-संकल्प और उत्साह एवं साहस के साथ संघर्ष रूपी विजय रथ पर चढ़िए और अपने जीवन के विकास की बाधाओं रूपी शत्रुओं पर विजय प्राप्त कीजिए।

प्रश्न

(क) मनुष्य को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं

(i) निर्भीकता, साहस, परिश्रम

(ii) परिश्रम, लगन, आत्मविश्वास

(iii) साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति, परिश्रम

(iv) परिश्रम, दृढ़ इच्छा शक्ति व लगन

(ख) प्रत्येक समस्या अपने साथ लेकर आती है-

(i) संघर्ष

(ii) कठिनाइयाँ

(iii) चुनौतियाँ

(iv) सुखद परिणाम

ग) समस्त ग्रंथों और अनुभवों का निष्कर्ष है

(i) संघर्ष से डरना या विमुख होना अहितकर है।

(ii) मानव-धर्म के प्रतिकूल है।

(iii) अपने विकास को बाधित करना है।

(iv) उपर्युक्त सभी

(घ) 'मानवीय' शब्द में मूल शब्द और प्रत्यय है

(i) मानवी + य

(ii) मानव + ईय

(iii) मानव + नीय

(iv) मानव + इय

(ङ) संघर्ष रूपी विजय रथ पर चढ़ने के लिए आवश्यक है

(i) दृढ़ संकल्प, निडरता और धैर्य

(ii) दृढ़ संकल्प, उत्साह एवं साहस

(iii) दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और साहस

(iv) दृढ़ संकल्प, उत्तम चरित्र एवं साहस

प्रश्न संख्या (2) निम्नलिखित अपठित काव्यांश को पढकर पूछें गए प्रश्नों के सही विकल्प

चुनिए- (अंक 5)

"*क्या करोगे अब ?

समय का

जब प्यार नहीं रहा

सर्वसहा पृथ्वी का

आधार नहीं रहा

न वाणी साथ है

न पानी साथ है

न कही प्रकाश है स्वच्छ

जब सब कुछ मैला है आसमान

गंदगी बरसाने वाला थैला है।

एक अछोर फैला है

कही चले जाओ

विनती नहीं है

वायु प्राणप्रद

आदमकद आदमी

सब जग से गायब है।"

1. कवि ने धरती के बारे में क्या कहा है ...

A. रत्नगर्भा

B. आधारशिला

C. सर्वसहा

D. माँ

2. 'आदमकद आदमी' से क्या तात्पर्य है

A. मानवीयता से भरपूर आदमी

B. ऊंचे कद का आदमी

C. सम्पूर्ण मनुष्य

D. सामान्य आदमी

3. आसमान की तुलना किससे की गयी है...

A. समुद्र से

B. नीली झील से

C. पतंग से

D. गंदगी बरसाने वाले थैले से

4. प्राणदान का तात्पर्य है

A. प्राणों को पूर्ण करने वाला

B. प्राण प्रदान करने वाला

C. प्राणों को प्रणाम करने वाला

D. प्राणों को छीन लेने वाला

5. कवि समय से कब और क्यों कतराना चाहते हैं?

A. किसी के पास बात करने का समय नहीं

B. किसी को दो क्षण बैठने का समय नहीं

C. किसी को प्यार करने का समय नही

D. किसी को गप मारने का समय नही

अथवा

"*आज जीत की रात
पहरुए, सावधान रहना।
खुले देश के द्वार

अचल दीपक समान रहना
प्रथम चरण है नये स्वर्ग का
है मंजिले का छोर
इस जन-मंथन से उठ आई
पहली रतन हिलोर
अभी शेष है पूरी होना
जीवन मुक्ता डोर
क्योंकि नहीं मिट पाई दुख की
विगत साँवली कोर
ले युग की पतवार
बने अंबुधि समान रहना
पहरुए, सावधान रहना
ऊँची हुई मशाल हमारी
आगे कठिन डगर है।
शत्रु हट गया, लेकिन उसकी
छायाओं का डर है,
शोषण से मृत है समाज ,
कमज़ोर हमारा घर है।
किंतु आ रही नई जिंदगी
यह विश्वास अमर है।"

प्रश्न

(क) कविता देश की कौन-सी सुखद घटना की ओर संकेत करती है?
(i) स्वतंत्रता प्राप्ति की सुखद घटना की ओर
(ii) 15 अगस्त की सुखद घटना
(iii) गणतंत्र दिवस की सुखद घटना
(iv) विपत्तियों से छुटकारे की रात

(ख) 'पहरुए' की 'दीपक' और 'अंबुधि' के समान बने रहने को क्यों कहा गया है?
(i) क्योंकि दीपक ही प्रकाश देता है और अपनी गहराई से सबको प्रेरणा देता है।
(ii) दीपक और सागर के समान परोपकारी बनने की प्रेरणा
(iii) दीपक और सागर के समान अटल बनने की प्रेरणा
(iv) दीपक और सागर की तरह महान बनने की प्रेरणा

(ग) शत्रु हट चुका है किंतु उसकी किससे डर है?

(i) छायाओं से

(ii) हथियारों से

(iii) सैनिकों से

(iv) इनमें से कोई नहीं।

(घ) कवि का विश्वास अमर क्यों है?

(i) क्योंकि देश में नई जिंदगी आ रही है ।

(ii) क्योंकि देश में समुद्र का लहर आ रहा है।

(iii) क्योंकि बहुत तेज बारिश होने वाली है।

(iv) इनमें से कोई नहीं।

(ड.) **कविता को उचित शीर्षक प्रदान करें-**

(i) जीत की जश्न

(ii)आजादी की पहली रात

(iii)सावधान प्रहरी

(iv) स्वतंत्र भारत

व्याकरण विभाग

प्रश्न संख्या (3) निर्देशानुसार उत्तर लिखिए- अंक 8 (1*8)

(क) निम्नलिखित में विख्यात का विलोम शब्द कौन- सा है?

(i) सुविख्यात

(ii) कुख्यात

(iii) अविख्यात

(iv) इनमें से कोई नहीं।

(ख) निम्नलिखित में "बदन ' का पर्यायवाची शब्द नहीं है-

(i) देह (ii) तन

(iii) शरीर (iv) मुख

(ग) निम्नलिखित में 'उष्मा' का पर्यायवाची शब्द है-

(i) आघात

(ii) प्रतिघात

(iii) ताप

(iv) इनमें से कोई नहीं।

(घ) निम्नलिखित में से पानी का तुकांत शब्द है-

(i) जल (ii) समानी

(iii) नीर (iv) इनमें से कोई नहीं।

(ड.) 'मुरीद होना' मुहावरा का अर्थ है-

(i) गुरु बनना (ii) दयालु बनना

(iii) शिष्य बनना (iv) परोपकारी बनना

(च) 'टुकड़े चबाना' मुहावरा का क्या अर्थ है?

(i) रुखा - सूखा भोजन खाना ।

(ii) मक्खन-मेवा खाना।

(iii) भोजन खाना

(iv) इनमें से कोई नहीं।

(छ) 'ज़रा' शब्द का अर्थ है-

(i) बहुत (ii) थोड़ा (iii) अधिक (iv) इनमें से कोई नहीं।

(ज) ' जरा ' शब्द का अर्थ है-

(i) बुढ़ापा (ii) जवानी

(iii) कम (iv) बचपन

प्रश्न संख्या(4) निन्नलिखित काव्यांश को पढकर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनें-(अंक 5)

“दुनिया में बादशाह है सो है वह भी आदमी
और मुफ़लिश-ओ-गदा है सो है वो भी आदमी
ज़रदार बेनवा है सो है वो भी आदमी
निअमत जो खा रहा है सो है वो भी आदमी
टुकड़े चबा रहा है सो है वो भी आदमी

प्रश्न 1 - यदि आदमी राजा है तो ________ भी आदमी ही है।

(A) भिखारी

(B) रानी

(C) मंत्री

(D) प्रजा

प्रश्न 2 - यदि आदमी धनी है तो ___________ भी आदमी ही है।

(A) भिखारी

(B) रानी

(C) मंत्री

(D) प्रजा

प्रश्न 3 - यदि आदमी स्वादिष्ट भोजन करने वाले है तो ___________ भी आदमी ही है।

(A) पानी पिने वाला

(B) सूखे टुकड़े खाने वाला

(C) भूखा रहने वाला

(D) इन में से कोई नहीं

प्रश्न 4 - प्रस्तुत नज़्म का शीर्षक क्या है?

(A) आदमी नामा

(B) आदमी

(C) आदमी नाम

(D) आदमी नज़्म

5) प्रस्तुत कविता में किस प्रकार का भाव मुखरित होता है?

A. **व्यंग का**

B. **हास्य का**

C. अहंकार का

D. क्रोध का

प्रश्न संख्या (5)निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों का सही विकल्प चुनिए- अंक-5(1*5)

‘आज तुम्हारे आगमन के चतुर्थ दिवस पर यह प्रश्न बार-बार मन में घुमड़ रहा है-तुम कब जाओगे, अतिथि?

तुम जहाँ बैठे निस्संकोच सिगरेट का धुआँ फेंक रहे हो, उसके ठीक सामने एक कैलेंडर है। देख रहे हो ना! इसकी तारीखें अपनी सीमा में नम्रता से फड़फड़ाती रहती हैं। विगत दो दिनों से मैं तुम्हें दिखाकर तारीखें बदल रहा हूँ। तुम जानते हो, अगर तुम्हें हिसाब लगाना आता है कि यह चैथा दिन है, तुम्हारे सतत आतिथ्य का चैथा भारी दिन! पर तुम्हारे जाने की कोई संभावना प्रतीत नहीं होती।

लाखों मील लंबी यात्रा करने के बाद वे दोनों एस्ट्रॉनॉट्स भी इतने समय चाँद पर नहीं रुके थे, जितने समय तुम एक छोटी-सी यात्रा कर मेरे घर आए हो। तुम अपने भार**ख** चरण-कमलों की छाप मेरी ज़मीन पर अंकित कर चुके, तुमने एक अंतरंग निजी संबंध मुझसे स्थापित कर लिया, तुमने मेरी आर्थिक सीमाओं की बैंजनी चट्टान देख ली; तुम मेरी काफ़ी मिट्टी खोद चुके।

अब तुम लौट जाओ, अतिथि! तुम्हारे जाने के लिए यह उच्च समय अर्थात हाईटाइम है। क्या तुम्हें तुम्हारी पृथ्वी नहीं पुकारती?’

Q.(क).किसके आगमन पर लेखक को बहुत परेशानी हो रही है?

(i) पुत्र के

(ii) अतिथि के

(iii) पत्नी के

(iv) शिक्षक के

Q.(ख).अतिथि कितने दिनों से लेखक के घर में रह रहा है?

(i) पाँच दिनों से

(ii) सात दिनों से

(iii) दो दिनों से

(iv) चार दिनों से

प्रश्न (ग)- लेखक कितने दिनों से अतिथि को कलैंडर दिखाकर तारीखें बदल रहा है?

(i) दो

(ii) चार

(iii) तीन

(iv) एक

प्रश्न (घ) 'जड़ खोदना' मुहावरा का अर्थ क्या होता है?

(i) मूल कारण जानने का प्रयास करना

(ii) व्यक्ति को समझना।

(iii) जासूसी करना।

(iv) पर्दाफाश करना।

प्रश्न (ड.) अतिथि लेखक के घर में निस्संकोच बैठे किसका धुआं फेंक रहा था ?

(i) बीड़ी (ii) सिगरेट

(iii) सिंगार (iv) इनमें से कोई नहीं

खंड 'ब'

प्रश्न संख्या (6) पूरक पाठ्यपुस्तक संचयन भाग१ से पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए।

(अंक – 4)

प्रश्न(क) गिल्लू लेखिका महादेवी वर्मा की थाली में खाना खाता था ।(सत्य/ असत्य)

(ख) मोटर दुर्घटना में आहत होने पर गिल्लू लेखिका के तकिए पर सिरहाने बैठकर अपने नन्हें- नन्हें पंजों से उनके बालों को हौले- हौले सहलाता रहता।

(सत्य/ असत्य)

(ग) 'स्मृति ' पाठ में लेखक श्रीराम शर्मा के पास बचपन में एक आम का डंडा था, जो उनके लिए राइफल से कम नहीं ।(सत्य /असत्य)

(घ.) त्रिपुरा की प्रमुख नदी मनु है। (सत्य /असत्य)

प्रश्न संख्या (7)पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग 1 के गद्य एवं पद्य से पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर रिक्त स्थान भरिए-(अंक 5)

(क) मनुष्य की पोशाकें उन्हें विभिन्न श्रेणियों में--------देती है

(बांट देती है/समेट देती हैं)

(ख) बचेंद्री पाल का जन्म उत्तरांचल के चमोली जिले में बंपा गांव में ------को हुआ ।(24 मई 1954/ 20मई 1979)

(ग) रहिमन धागा ----------- का, मत तोड़ो चटकाय। (प्रेम/ नफरत)

(घ) चांद को हमेशा-------- पक्षी निहारता रहता है।(मोर /चकोर)

(ङ) सुखिया के पिता मंदिर अपवित्र करने के अपराध में ---------

दिनों तक जेल में रहें।((सात /आठ)

प्रश्न संख्या(8) संदेश लेखन- **(अंक-3)**

(क) संदेश लेखन की शब्द सीमा 30 से 40 के बीच होनी चाहिए। (सही/ गलत)

(ख) संदेश लेखन में शायरी ,दोहे, श्लोक, कविता आदि का प्रयोग विषयानुसार नहीं किया जा सकता है। (सही /गलत)

(ग) संदेश लेखन की भाषा सरल, स्पष्ट और शिष्ट होनी चाहिए। (सही /गलत)